आउटकम बजट 2022–23

विभाग का नामः जलागम प्रबन्ध निदेशालय उत्तराखण्ड।

(धनराशि लाख रुपये में)

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउटले / बजट		एस0डी0जी0 Goal/ Indicator	31.3.2022 की स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट पुट वर्ष 2022 –23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022 –23	समय सीमा
		राजस्व	पूँजी					
1	2	3	4	0	6	7	8	9
विश्व बैंक वित्त पोषित उत्तराखण्ड विकेन्द्रीकृत जलागम विकास परियोजना	परियोजना के चयनित सूक्ष्म जलागम क्षेत्र में समुदायों की भागीदारी द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और वर्षा आधारित कृषि की उत्पादक क्षमता बढ़ाना।	1832.64	00	**1.गरीबी उन्मूलन** 1.4 सभी पुरूषों व महिलाओं सहित गरीबों व कमजोरों को आर्थिक संसाधनों में समान अधिकार, मूलभूत सेवायें, भूमि, सम्पति, विरासत, प्राकृतिक संसाधन व नई प्रौद्योगिकी व वित्तीय सेवाओं से जोड़ना।	65,014 परिवार परियोजना कार्याक्रमों से लाभान्वित 14,148 निर्बल परिवार आय अर्जक गतिविधियों से लाभान्वित जिसमें 40 प्रतिशत महिलायें	वर्तमान में परियोजना का समेकन कार्य गतिमान है, जिसके अन्तर्गत कियी भी प्रकार की भौतिक प्रगति प्राप्त नहीं होगी। प्रस्तावित बजट से परियोजना प्रभागों में समेकन सम्बन्धी समस्त कार्य किये जा रहे हैं।		परियोजना कियान्वयन अवधि 31 जनवरी, 2022 को पूर्ण हो गई है।
				2.भुखमरी से मुक्ति 2.3.16. Additional potential creation under irrigation सिंचाई के अन्तर्गत अतिरिक्त सिंचन क्षमता सृजन	12,020 हे0 सिचन क्षेत्र में सकल वृद्धि			
				2.4– 2030 तक सतत खाद्य उत्पादन प्रणाली सुनिश्चित करना और लचीली कृषि पद्धति को कार्यान्वित करना जो उत्पादकता और उत्पादन में वृद्धि करे जिससे परिस्थितिकीयता़ बनी रहे ताकि मौसम परिवर्तन, प्रतिकूल वातावरण, सूखा, बाढ़ और अन्य आपदाओं को सहन करने में सक्षम हो और इससे भूमि और मृदा की गुणवत्ता में सुधार होगा।	2530 हे0 परती भूमि का कृषि एवं औद्यानिक कार्यो में उपयोग			
				5.लैंगिक समानता 5.5– राजनैतिक, आर्थिक और लोक–जीवन में निर्णय लेने के सभी स्तरों पर महिलाओं के लिए नेतृत्व के समान अवसर तक पूर्ण और कारगर सहभागिता सुनिश्चित करना।	1098 महिलायें जिन्हें महिला प्रेरेक के रूप में संगठित किया गया।			
				6.स्वच्छ जल एवं साफ सफाई 6.6– 2020 तक पर्वतों, वनों, आर्द्र–भूमि, नदियों, जलदायी स्तरों और झीलों सहित संबंधी पारिति़ों का संरक्षण और पुनरूद्धार करना।	2054 जल निकायों / जल स्रोतों का उपचार जल स्रोतों के जल उत्सर्जन में 22 से 27 प्रतिशत वृद्धि			

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउटले / बजट		एस0डी0जी0 Goal/ Indicator	31.3.2022 की स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022 –23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022 –23	समय सीमा
		राजस्व	पूँजी					
1	2	3	4	0	6	7	8	9
				15.थलीय जीवों की सुरक्षा 15.3– 2030 तक मरूस्थलीकरण को रोकना, मरूस्थलीकरण, सूखा और बाढ़ से प्रभावित भूमि सहित अवकमित भूमि तथा मृदा का पुनरूद्धार करना और भूमि–अवकमण–निष्पक्ष विश्व को हासिल करने के लिए प्रयास करना।	82 सूक्ष्म जलागम में उपचार कार्य प्रगति 83 प्रतिशत क्षेत्र उपचारित 11,578 हे0 वानस्पतिक आच्दादन में वृद्धि 976 हजार घन मी0 मिट्टी संरक्षित 1268 है0 भूमि की उपजाउ मिट्टी संरक्षित 5342.74 है0 क्षेत्र में नवीन कृषि तकनीकी व बीजों का अंगीकरण, कृषि उत्पादन में 33 से 59 प्रतिशत वृद्धि क्रमिक कुल 21 फार्मर फैडरेशन, व 1488 एफ.आई.जी के अन्तर्गत 17488 कृषक संगठित 50402.96 मी0 टन प्रति वर्ष अतिरिक्त चारा उत्पादन / उपलब्धता			

सतत् विकास लक्ष्य

Uttarakhand Sustainable Development Goals (SDG): State Indicator Framework (SIF) में विभाग का कोई भी सतत् विकास लक्ष्य इंगित नहीं है।

(धनराशि लाख रुपये में)

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउटले/बजट		एस0डी0जी0 Goal/ Indicator	31.03.2022 की स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट पुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23	समय सीमा
		राजस्व	पूँ0					
1	2	3	4	0	5	7	8	9
केन्द्र पोषित् प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना–जलागम विकास घटक 2.0	परियोजना के चयनित सूक्ष्म जलागम क्षेत्र में समुदायों की भागीदारी द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और वर्षा आधारित कृषि की उत्पादक क्षमता बढ़ाना।	9897.00	00	**1.गरीबी उन्मूलन** 1.4 सभी पुरूषों व महिलाओं सहित गरीबों व कमजोरों को आर्थिक संसाधनों में समान अधिकार, मूलभूत सेवायें, भूमि, सम्पति, विरासत, प्राकृतिक संसाधन व नई प्रौद्योगिकी व वित्तीय सेवाओं से जोड़ना।	केन्द्र पोषित् प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना–जलागम विकास घटक 2.0 के अन्तर्गत 12 परियोजनाएं भारत सरकार द्वारा माह जनवरी, 2022 में स्वीकृत की गयी। जिसके सापेक्ष धनराशि की प्रथम किस्त वित्तीय वर्ष 2021–22 में दिनांक 30 एवं 31 मार्च 2022 को परियोजना खाते (SNA) में परियोजना संचालन हेतु प्राप्त हुई जिस कारण सम्बन्धित वित्तीय वर्ष में भौतिक प्रगति शून्य है।	वित्तीय वर्ष 2022–23 में प्रस्तावित धनराशि से जनपद एवं ग्रामीण स्तरीय संस्थागत सुद्ढ़ीकरण, क्षमता विकास के कार्य, प्रारम्भिक कार्यकलाप (EPA) एवं परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डी.पी.आर.) निर्माण का कार्य किया जाना प्रस्तावित है। परियोजना की डी0पी0आर0 का निर्माण/अनुमोदन उपरान्त ही निर्धारित लक्ष्यों से अवगत कराया जाना सम्भव हो सकेगा।	वित्तीय वर्ष 2022–23 में प्रस्तावित धनराशि से जनपद एवं ग्रामीण स्तरीय संस्थागत सुद्ढ़ीकरण, क्षमता विकास के कार्य, प्रारम्भिक कार्यकलाप (EPA) एवं परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डी.पी.आर.) निर्माण का कार्य किया जाना प्रस्तावित है। परियोजना की डी0पी0आर0 का निर्माण/अनुमोदन उपरान्त ही निर्धारित लक्ष्यों से अवगत कराया जाना सम्भव हो सकेगा।	0–4 वर्ष
				2.भुखमरी से मुक्ति 2.3.16. Additional potential creation under irrigation सिंचाई के अन्तर्गत अतिरिक्त सिंचन क्षमता सृजन				0–4 वर्ष
				2.4– 2030 तक सतत खाद्य उत्पादन प्रणाली सुनिश्चित करना और लचीली कृषि पद्धति को कार्यान्वित करना जो उत्पादकता और उत्पादन में वृद्धि करे जिससे परिस्थितिकीयता़ बनी रहे ताकि मौसम परिवर्तन, प्रतिकूल वातावरण, सूखा, बाढ़ और अन्य आपदाओं को सहन करने में सक्षम हो और इससे भूमि और मृदा की गुणवत्ता में सुधार होगा।				0–4 वर्ष
				5.लैंगिक समानता 5.5– राजनैतिक, आर्थिक और लोक–जीवन में निर्णय लेने के सभी स्तरों पर महिलाओं के लिए नेतृत्व के समान अवसर तक पूर्ण और कारगर सहभागिता सुनिश्चित करना।				0–3 वर्ष

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउटले/बजट		एस0डी0जी0 Goal/ Indicator	31.03.2022 की स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउट पुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2022–23	समय सीमा
		राजस्व	पूँ0					
1	2	3	4	0	5	7	8	9
				15.थलीय जीवों की सुरक्षा 15.3– 2030 तक मरूस्थलीकरण को रोकना, मरूस्थलीकरण, सूखा और बाढ़ से प्रभावित भूमि सहित अवकमित भूमि तथा मृदा का पुनरूद्धार करना और भूमि–अवकमण–निष्पक्ष विश्व को हासिल करने के लिए प्रयास करना।				0–4 वर्ष

- केन्द्र पोषित् प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना–जलागम विकास घटक 2.0 के अन्तर्गत 12 परियोजनाएं भारत सरकार द्वारा माह जनवरी, 2022 में स्वीकृत की गयी। जिसके सापेक्ष धनराशि की प्रथम किस्त वित्तीय वर्ष 2021–22 में दिनांक 30 एवं 31 मार्च 2022 को परियोजना खाते (SNA) में परियोजना संचालन हेतु प्राप्त हुई जिस कारण सम्बन्धित वित्तीय वर्ष में भौतिक प्रगति शून्य है।
- वित्तीय वर्ष 2022–23 में प्रस्तावित धनराशि से जनपद एवं ग्रामीण स्तरीय संस्थागत सुदृढ़ीकरण, क्षमता विकास के कार्य, प्रारम्भिक कार्यकलाप (EPA) एवं परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डी.पी.आर.) निर्माण का कार्य किया जाना प्रस्तावित है। परियोजना की डी0पी0आर0 का निर्माण/अनुमोदन उपरान्त ही निर्धारित लक्ष्यों से अवगत कराया जाना सम्भव हो सकेगा।
- उपरोक्त तालिका में परियोजना द्वारा प्राप्त किए जा सकने वाले एस0डी0जी0 **Goal/ Indicator** उल्लेखित किए गये है। आग्रामी वित्तीय वर्ष में निर्धारित लक्ष्यों से अवगत कराया जायेगा।

सतत् विकास लक्ष्य

Uttarakhand Sustainable Development Goals (SDG): State Indicator Framework (SIF) में विभाग का कोई भी सतत् विकास लक्ष्य इंगित नहीं है।